शिव है ज्ञान सूर्य
हम है ज्ञान सितारे
अपनी ज्योति से सारा
विश्व जगमगाए
लाइट माईट हाउस बन
भटके हुए को राह दिखाए
मुक्तिधाम में चमके सदा
हम ही चैतन्य सितारे
जैसे चमकते आकाश
में स्थूल तारे।।

अवतरित हो देह में
प्रवेश करते
कर्म क्षेत्र में पार्ट बजाते
है हम देह से बिल्कुल न्यारे
बच्चे है हम परमात्मा के प्यारे
84 जन्म का खेल खेलते
ज्योति अपनी धीरे धीरे गंवाते
5000 वर्ष का चक्र पूरा कर
शक्तिहीन हो जाते ,गुण अपने गंवाते
ऐसे में ज्ञान सूर्य की शक्ति
मिलती ,ज्ञान घृत से दीपक
आत्मा का फिर से जगता
सम्पूर्ण प्रकाश पुंज बन

परमधाम को लौट जाते।।

ॐ शांति!!!